International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR)
E-ISSN: 2582-2160 ● Website: www.ijfmr.com ● Email: editor@ijfmr.com

# जोशीमठ आपदा के फलस्वरुप आर्थिक स्थिति के विखंडन से मानव के मानसिक स्वास्थ्य प्रभाव का अध्ययन

**Snehlata[1], Ram Kumar Yadav[2], Geeta Khanduri[3]**

[1,2]M. Ed Student, Education Department HNBGU
[3]Professor, Education Department HNBGU

**सारांश**
भारत के एक छोटे से राज्य उत्तराखंड के चमोली जनपद में स्थित शहर जोशीमठ जिससे ***"ज्योर्तिमठ"*** के नाम से जाना जाता है। यह नगर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है और। ***"यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट"*** की सूची में शामिल है। और जोशीमठ ***"गेटवे ऑफ़ हिमालय"*** के नाम से मशहूर जोशीमठ आज कई प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा से ग्रसित है । जहां सैकड़ो घर, अस्पताल,सेना के भवन, मंदिर सड़के प्रतिदिन धंसाव की जद में है आपदा से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं प्रस्तुत शोध में जोशीमठ क्षेत्र में आपदा के कारण आर्थिक वह मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन किया गया जहां 18 से 60 वर्ष के 50 लोग को लिया गया। जिसमें स्वनिर्मित प्रश्नावली को सर्वेक्षण विधि द्वारा लोगों का साक्षात्कार किया गया । इस आपदा के कारण जोशीमठ के लोगों की आर्थिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं शिक्षा पर भी इसका असर देखा गया। कहीं लोगों का मानना है जोशीमठ आपदा मानव निर्मित है कुछ लोग यह मानते हैं कि मानव निर्मित आपदा के कारण ये प्राकृतिक आपदा बन गई है। यह सुनियोजित आपदा है।

**शब्द कुंजी :-** जोशीमठ, ज्योर्तिमठ, आपदा, मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

## प्रस्तावना

भारत अपनी अनूठी भू जलवायु परिस्थितियों के कारण पारंपरिक रूप से प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील रहा है विकासशील देशों की तरह भारत में भी प्राकृतिक और मानव निर्मित दोनों तरह की आपदाएं नियमित रूप से घटित होती रहती हैं। प्राकृतिक आपदाओं का अपना इतिहास है जहां से मनुष्य अपनी आवश्यकताओं तथा उद्देश्यों के लिए संसाधनों का दोहन करना शुरु करते हैं। असर प्रकृति पर पड़ता है और वह मानव जीवन को प्रभावित करती है। भारत का एक छोटा सा हिमालय राज्य उत्तराखंड वर्तमान में प्राकृतिक आपदाओं के लिए बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। हिमालय क्षेत्र होने के कारण तेज बारिश का होना ,बादल का फटना, आकाशीय बिजली का गिरना,भूस्खलन ,हिमस्खलन, भूकंप का आना ,बाढ़ का आना, भू धंसाव आदि कहीं प्रकार की आपदाओं के कारण के लोगों का जीवन अस्त - व्यस्त रहता है। चमोली जनपद के जोशीमठ शहर में पिछले एक साल से अधिक समय से भूस्खलन, भू - धंसाव घटनाएं हो रही है। जिस कारण जोशीमठ के सैकड़ो घरों में दरारें आ गई ,हजारों लोग प्रभावित है, लोगों के आशियाना उजड़ रहे हैं। लोग वर्षों की मेहनत से बनाए अपने घरों से उजड़ कर सड़कों पर आने को तैयार हैं। जोशीमठ शहर को कम से कम 66 परिवारों ने छोड़ा दिया है जबकि 561 घरों में दरारें आने की सूचना है एक सरकारी अधिकारी ने कहा अब तक 3000 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इस आपदा के कारण कहीं लोग बेघर

हो गए हैं अपने घरों को छोड़ने पर मजबूर है । इस आपदा का प्रभाव आर्थिक स्थिति व बच्चों की शिक्षा पर भी देखा गया है।

**शोध के उद्देश्य**

- जोशीमठ आपदा का प्राकृतिक या मानव निर्मित का अध्ययन करना।
- जोशीमठ आपदा का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- जोशीमठ आपदा का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- जोशीमठ आपदा का शिक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना।

**शोध प्रश्न**

1. जोशीमठ आपदा प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा है ?
2. जोशीमठ आपदा का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है ?
3. जोशीमठ आपदा का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है ?
4. जोशीमठ आपदा का शिक्षा का प्रभाव पड़ रहा है ?

परिसीमन

1. प्रस्तुत शोध उत्तराखंड राज्य के चमोली जनपद के जोशीमठ शहर में किया गया ।
2. प्रस्तुत शोध में 18 वर्ष आयु वर्ग से ऊपर के व्यक्तियों को लिया गया।
3. शिक्षा की बारे में केवल अभिभावकों का शामिल किया ।
4. प्रस्तुत शोध में जोशीमठ क्षेत्र के महिला पुरुषों को शामिल किया गया है।

**संबंधित साहित्य का सर्वेक्षण**

**विश्व स्वास्थ्य संगठन, भारत के लिए देश कार्यालय (जून 2013) उत्तराखंड राज्य में फ्लैश फ्लड और भूस्खलन 16-17** जून 2013 को उत्तराखण्ड में आयी आपदा के बाद तुरन्त 23 **जून 2013 को देख की गयी। रिपोर्ट के अनुसार** -

16-17 जून 2013 को उत्तराखण्ड में आयी आपदा के बाद तुरत 23 जून 2013 को प्रेषित की गयी इस रिपोट के अनुसार

1. 14 जून 2013 को उत्तराखण्ड में शुरू हुई बहुत भारी बारिश के बाद आकस्मिक बाढ़ एवं भूकम्प की घटनायें आरम्भ हो गयी जिससे उत्तरकाशी चमोली, रूद्रप्रयाग जनपद के गंगोत्री, यमुनोत्री एवं केदारनाथ, बद्रीनाथ चार धाम यात्रा रूट एवं उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में घर बिल्डिंग, पुल, सड़क आदि टूटने लगी।
2. रिपोर्ट में प्रकाशित होने तक की स्थितियों का वर्णन करते हुये कहा गया कि 419 घायल व्यक्तियों को उपचार दिया गया। 73000 लोगों को प्रभावित क्षेत्रों से निकाल लिया गया एवं 32000 लोग अभी तक फंसे हुए थे।

**दुर्गेश नंदिनी केदारनाथ आपदा का रुद्रप्रयाग जनपद की विद्यालयी शिक्षा पर प्रभाव एवं शिक्षा के प्रति पणधारकों का प्रत्यक्षण, रेसेअर्चेर ( 2017 )** आपदा का रुद्रप्रयाग जनपद पर शिक्षा पर प्रभाव_अध्ययन। आपदा प्रभावित विद्यालयों के काफी विद्यार्थियों को वर्तमान में शिक्षा प्राप्त करने के कहीं परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । लगभग 48.03 प्रतिशत शिक्षकों को अपना कार्य क्षेत्र जोखिम भरा लगता है और 31 प्रतिशत् स्वयं को यहाँ

असुरक्षित महसूस करते हैं। 42 प्रतिशत् शिक्षक मानते हैं कि आपदा ने शिक्षकों के कार्य पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। अधिकांश शिक्षक चाहते हैं कि विद्यालयों को आपदा की दृष्टि से सुरक्षित स्थानों में स्थापित किया जाये एवं शिक्षा सत्र में बदलाव लाया जाय। जो सितम्बर- जून तक का हो। अर्थात् वर्षा के लिये अधिक संवेदनशील माह जुलाई एवं अगस्त में विद्यालय खोले ना जाए । सबसे अधिक प्राथमिक विद्यालय के बच्चे मृतक और गुमशुदा रहे।

## शोध प्रविधि

### शोध विधि

इस अध्ययन में साक्षात्कार विधि का प्रयोग किया गया है।

### न्यादर्श

प्रस्तुत अध्ययन में चमोली जनपद के जोशीमठ क्षेत्र के 18 से 60 वर्ष तक के 50 लोगों कों लिया गया। न्यादर्श चयन साक्षात्कार विधि द्वारा सुविधाजनक रूप में किया गया।

### उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन में स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है।

### सांख्यिकीय विश्लेषण

### शोध प्रश्न - 01

जोशीमठ आपदा प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा है?
प्रस्तुत शोध में अवलोकन के पश्चात यह स्पष्ट हुआ की सभी के अपने- अपने मत है।
प्राकृतिक आपदा = 18%
मानवनिर्मित आपका = 70%
दोनों के कारण = 12%

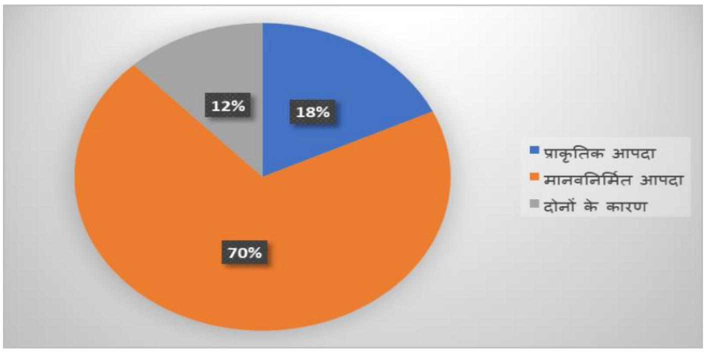


आरेख संख्या-1

जोशीमठ आपदा कारण कही लोगा एनटीपीमी जैसी बड़ी निर्माण परियोजनाओं अत्यधिक कस्ट्रक्शन का कारण भी बताते है। आरेख संख्या . 1 में 70% लोगों का मानना हैं की जोशीमठ आपदा मानवनिर्मित है। अत्यधिक जल विद्युत परियोजनाओं के कारण व विकास के नाम पर सड़क चौड़ीकरण भी है। जिस कारण जोशीमठ में भू-धंसाव हो रहा है। 18% लोगों को ये प्राकृतिक आपदा लगती है 18% लोगों का मानना है की प्रकृति प्रकोप है, 12% लोगों को लगता है की मानव के लालसा एवं लापरवाही के कारण प्रकृति पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन का मानना है, की ये मानव व प्राकृतिक दोनों प्रकार की आपदा है ।

**शोध प्रश्न - 02**

जोशीमठ आपदा का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ रहा है?

प्रस्तुत शोध में अवलोकन के पश्चात यह स्पष्ट हो जाता है, कि जोशीमठ आपदा के कारण स्वास्थ्य काफी प्रभाव पड़ा है.

शारीरिक रूप से अस्वस्थ - 26%

मानसिक तनाव- 56%

दोनों प्रकार का प्रभाव - 14%

कोई प्रभाव नहीं - 4%

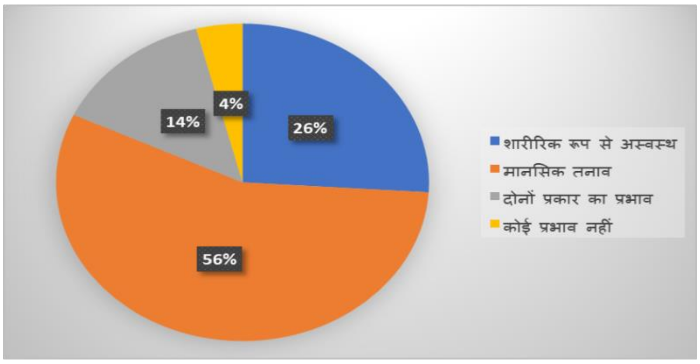


**आरेख संख्या-2**

आरेख संख्या- 5 के अनुसार आपदा के कारण कहीं लोग मानसिक तनाव का काफी शिकार हुऐ है, लोगों के घर में दरारों का डर, बेघर होने का डर ,रोजगार का डर कही प्रकार की समस्या के कारण मानसिक तनाव 56% लोगों में देखा गया है। 26% लोगों में शारीरिक प्रभाव भी देखा गण कुछ 14% लोगो मानसिकशारीरिक दोनों प्रकार से परेशान 4%लोगों पर कोई प्रभाव नंदी पड़ा। प्रस्तुत आयाम में आपदा के कारण स्वास्थ पर बहुत प्रभाव का पता लगा की लोग मानसिक रूप से काफी प्रभावित हुए है।

**शोध प्रश्न - 03**

जोशीमठ आपदा का आर्थिक स्थिति पर प्रभाव पड़ रहा है ?

प्रस्तुत शोध में अवलोकन के पश्चात यह स्पष्ट हो जाता है जोशीमठ आपदा आर्थिक रुप काफी प्रभावित रही

रोजगार ठप = 44%

आर्थिक स्थिति कमजोर =38%

कोई प्रभाव नहीं =18%

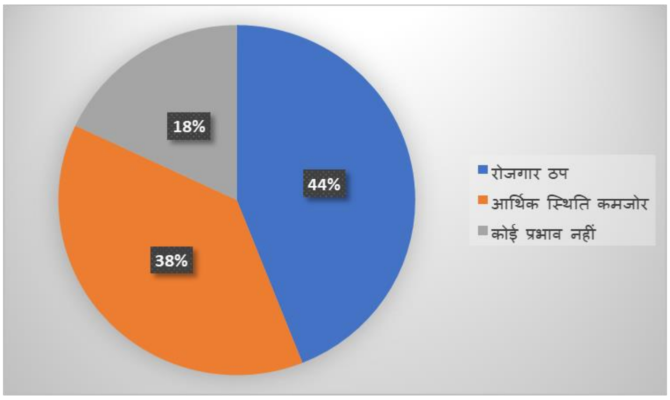


**आरेख संख्या-3**

जोशीमठ आपदा के कारण वहाँ के लोगों की आर्थिक स्थिति पर बहुत प्रभाव पड़ा है, 44% लोगों का रोजगार ठप हो गया, जोशीमठ आपदा के कारण कंपनियों को बन्द करना पड़ा। कहीं यों का जीविका का साधन ही कंपनी थी। जिस कारण कई लोग का रोजगार ठप हो गया और बेरोजगार हो गए, 38% लोगों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो। गई।व्यावसाय अच्छे से नही चल पा रहे हैं। आपदा के बाद कहीं दुकानदारों का कहना है दुकानदारी में गिरावट आई है ।18% लोगों की आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा इन लोगों का रोजगार के साधन ऐसा कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि यह लोग सरकारी कर्मचारी थे और कुछ लोगों के परिवार का कोई ना कोई सदस्य कहीं और शहर में काम करता था जिसे उनके आर्थिक स्थिति पर प्रभाव नहीं पड़ा परंतु उनके घर का नुकसान हुआ और मानसिक रूप से भी परेशान रहे हैं। इस प्रकार के उपरोक्त आयाम के पाश्चात्य स्पष्ट होता है जोशीमठ आपदा के कारण कहीं लोग बेरोजगार हुए हैं और उनकी आर्थिक स्थिति पर काफी प्रभाव पड़ा है कई लोगों की व्यवसाय में काफी नुकसान हुआ है।

**शोध प्रश्न - 04**

जोशीमठ आपदा का शिक्षा का प्रभाव पड़ रहा है ?

प्रस्तुत शोध में अवलोकन के पश्चात यह स्पष्ट हो जाता है जोशीमठ आपदा से शिक्षा भी प्रभावित रही.

शिक्षा पर प्रभाव पड़ा = 72%

शिक्षा पर प्रभाव पड़ा = 28%

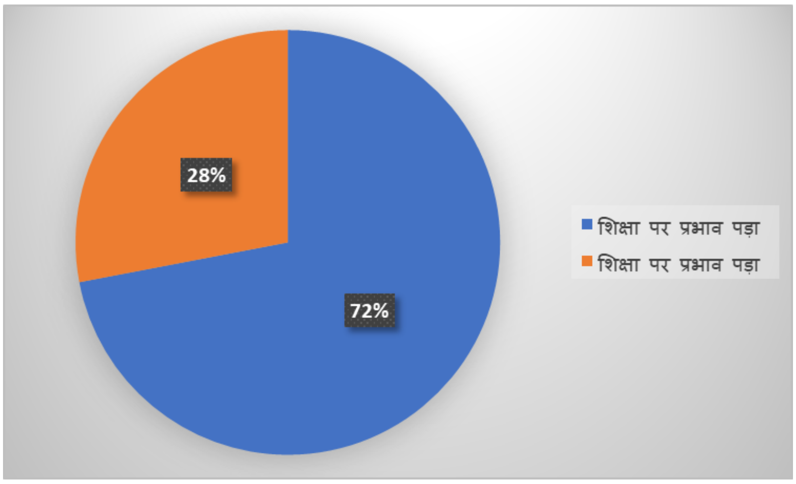


**आरेख संख्या-4**

प्रस्तुत शोध में अवलोकन के पाश्चात्य यह स्पष्ट हो जाता है जोशीमठ आपदा के कारण शिक्षा पर प्रभाव की दो ही बातें सामने आईं है जोशीमठ आपदा के कारण 72% बच्चों की शिक्षा पर प्रभाव पड़ा आपदा के दौरान विद्यालय बंद रहे बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाए थे और घर में भी आपदा के कारण अस्त-व्यस्त होने के कारण बच्चे घर पर भी पढ़ नहीं पा रहे थे। 28% बच्चों की शिक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि कुछ विद्यालय ने बच्चों की ऑनलाइन क्लास माध्यम सें पढ़ाया था। ( परंतु वर्तमान में 78% शिक्षा में सुधार देखा जा रहा है आपदा के कारण शिक्षा प्रभावित हुई थी परंतु अब शिक्षा में सुधार देखा गया है।

**निष्कर्ष**

प्रस्तुत शोध से प्राप्त निष्कर्ष निम्नलिखित हैं

1. जोशीमठ आपदा के अध्ययन से कि जोशीमठ आपदा प्राकृतिक आपदा वह मानव निर्मित आपदा दोनों प्रकार की है। जिसका मूल कारण भू धंसाव एवं भूस्खलन है। कई लोग इस आपदा कारण जल विद्युत परियोजनाओं के अत्यधिक निर्माण का कारण को भी मानते हैं।
2. जोशीमठ आपदा के अध्ययन से कि जोशीमठ आपदा के परिणामस्वरूप लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ा।
3. जोशीमठ आपदा के अध्ययन से कि जोशीमठ आपदा के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाला है। कई लोगों का रोजगार चल गया और कहीं लोगों का व्यापार दुकानदारी में भी कमी आई है आर्थिक रूप से भी लोग काफी प्रभावित हुए हैं।
4. जोशीमठ आपदा के अध्ययन से की जोशीमठ आपदा के कारण शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से प्रभाव आया। आपदा के कारण कहीं समय विद्यालय बंद रहे जिस कारण बच्चों की शिक्षा बाधित रही एवं बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा।

## सुझाव

1. जोशीमठ आपदा के कारण सैकड़ो लोगों के मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं के लिए परामर्शदाता की व्यवस्था करनी चाहिए।
2. जोशीमठ में अनियोजित निर्माण पर रोक लगाना चाहिए।
3. जोशीमठ क्षेत्र के आसपास में बना रहे जल विद्युत परियोजनाओं को बंद करना चाहिए।
4. जोशीमठ क्षेत्र के लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरण या विस्थापन कर देना चाहिए।
5. जोशीमठ क्षेत्र में चौड़ीकरण परियोजना का कार्य बंद होना चाहिए।
6. जोशीमठ क्षेत्र का हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन कराया जाना चाहिए।
7. आपदा के बचाव के लिए सरकार व स्थानीय अधिकारियों के साथ सहयोग करें एवं उनके दिशा निर्देश का पालन करें।

## सन्दर्भ

1. Uniyal.srikirshn 2019Prakritik Aapda Prabandhan mein Print Media ki Bhumika. Shodhganga.
2. Nandini, Durgesh.2017 "Kedarnath Aapda ka Rudraprayag Janpad ki Vidyalayee.
3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि प्राकृतिक आपदाओं को समझाना पृष्ठ 7.
4. उत्तराखंड इयर बुक, बिनसर पब्लिकेशन, 2014 पृष्ठ 17.
5. सेमवाल, प्रो. ए एम सेमवाल, सती डा. एसपी, बदरी केदार विकास समिति देहरादून द्वारा प्रकाशित गढ़ नंदिनी 2015-16 पृष्ठ 76 पर उत्तराखंड आपदा 2013 के सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय सबक लेख ।